



घरेलू वातावरण का छात्रों का शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव

रीता महतो 1

1 शोधकर्ता, शिक्षा विभाग, राधा गोविंद विश्वविद्यालय, रामगढ़, झारखंड

ABSTRACT:

यह देखा गया है कि जिन छात्रों को एक ही शिक्षक द्वारा एक ही पाठ पढ़ाया जाता है, उनका मूल्यांकन किए जाने पर उनके प्रदर्शन अलग-अलग होने की संभावना होती है। स्कूली छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए कई अनियंत्रित चर जिम्मेदार हैं। शिक्षा का एक बुनियादी कार्य युवाओं को समाज का उपयोगी सदस्य बनने के लिए प्रशिक्षित करना है और यह प्रशिक्षण अनौपचारिक तरीके से घर से शुरू होता है। बच्चे का घर वह पहला स्थान है जहां वह प्रवेश करता है क्योंकि वह अपने माता-पिता द्वारा दुनिया में पैदा होता है। घर के वातावरण का अर्थ है बच्चे की पारिवारिक पृष्ठभूमि, जिसमें घर में मौजूद सभी मानवीय और भौतिक संसाधन शामिल होते हैं, जो बच्चे के जीवन को प्रभावित करते हैं जैसे माता-पिता की शिक्षा का स्तर, व्यवसाय, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और घर में उपलब्ध सामाजिक सुविधाएं। इस प्रकार घर बच्चे को प्राथमिक समाजीकरण प्रदान करने और बच्चे के लिए शैक्षिक नींव रखने की बुनियादी स्थिति है जिस पर समाजीकरण के अन्य एजेंट निर्माण करते हैं।

KEYWORDS:

घर का वातावरण, उपलब्धि, अनियंत्रित, आत्म-बोध और प्रशिक्षण

PAPER ACCEPTED DATE:

8th February 2024

PAPER PUBLISHED DATE:

9th February 2024

परिचय

शिक्षा, अपने व्यापक अर्थ में, व्यक्तियों को अपने पर्यावरण के साथ प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण विकसित करने के लिए डिज़ाइन की गई एक प्रक्रिया है। इसका प्राथमिक उद्देश्य सभी लोगों के लिए पूर्ण व्यक्तिगत आत्म-बोध को बढ़ावा देना और बढ़ावा देना है। यह सामान्य जीवन के लिए अपरिहार्य है, शिक्षा के बिना व्यक्ति समूह जीवन के लिए अयोग्य होगा। शिक्षा व्यक्तियों की क्षमताओं और संभावनाओं को विकसित करने की प्रक्रिया है ताकि उस व्यक्ति को किसी विशिष्ट समाज या संस्कृति में सफल होने के लिए तैयार किया जा सके। विशेष रूप से, इसे अक्सर बौद्धिक क्षमताओं को विकसित करने, सांस्कृतिक विशेषताओं को आकार देने, ज्ञान और कौशल प्राप्त करने के साथ-साथ एक राष्ट्र को वैज्ञानिक और तकनीकी संस्कृति विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए एक अनुकूल उपकरण कहा जाता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस प्रस्ताव के प्रति प्रतिबद्धता की समझ की आवश्यकता है कि शिक्षा मानव कल्याण की सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिए एक प्राथमिक साधन है।

शैक्षणिक प्रदर्शन की अवधारणा

शिक्षा मानव जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज है, शिक्षा के बिना समकालीन दुनिया में कुछ भी नहीं होगा। समाज के विकास के लिए शिक्षा आवश्यक है। किसी समाज के लोग जितने अधिक शिक्षित होंगे, वह समाज उतना ही अधिक सम्य और अनुशासित हो सकता है। मुख्य रूप से, बच्चों को समाज का उत्पादक सदस्य बनाने के लिए उनका सामाजिककरण करना परिवार की जिम्मेदारी है। इस दुनिया में रहने वाले प्रत्येक जीव के लिए शैक्षणिक प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रदर्शन की भावना हर किसी के लिए खुशी, खुशी, सफल भावना और उत्साह लाती है जो आगे के कार्यों और प्रयासों के लिए एक प्रभावशाली कारक के रूप में खड़ी होती है। प्रत्येक मनुष्य अपने सभी प्रयासों में निष्पादन तक पहुंचने की लालसा रखता है और प्रयास करता है। शैक्षणिक प्रदर्शन को जीवन के प्रमुख प्रदर्शनों में से एक कहा जाता है। यह शिक्षा ही है जो लोगों की समृद्धि, कल्याण और सुरक्षा के स्तर को निर्धारित करती है और उसमें योगदान देती है। आजादी के बाद नये स्कूल और कॉलेज खोलने तथा पर्याप्त उपकरण और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किये गये। विभिन्न समितियों और आयोगों ने शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए कई रणनीतियों और तरीकों की सिफारिश की है ताकि छात्र संतुष्ट शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। शैक्षणिक प्रदर्शन का मतलब वह प्रदर्शन है जो एक छात्र को स्कूल में मिलता है, अर्थात् परीक्षा में उसके अंक जो प्रदर्शन का मानदंड है। शैक्षणिक प्रदर्शन के अध्ययन में, प्रदर्शन की कसौटी विभिन्न परीक्षाओं में छात्रों द्वारा प्राप्त ग्रेड हैं। मोटे तौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द शैक्षणिक प्रदर्शन एक छात्र की शैक्षणिक स्थिति को दूसरों के संबंध में व्यक्त करने की कुछ विधि को संदर्भित करता है। आमतौर पर यह एक पाठ्यक्रम के लिए एक ग्रेड है, किसी विषय क्षेत्र में पाठ्यक्रमों के समूह के लिए एक औसत या

किसी अन्य मात्रात्मक पैमाने पर व्यक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए एक औसत है।

शैक्षणिक उपलब्धि और घरेलू वातावरण के बीच संबंध

घरेलू वातावरण शैक्षणिक उपलब्धि प्रेरणा के निर्धारकों में से एक है। शैक्षणिक रूप से अनुकूल घरेलू माहौल से बच्चे की शैक्षणिक सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा बढ़ने की संभावना है जो बदले में स्कूल में अच्छे प्रदर्शन में योगदान देगा। मेधावी छात्र जो अन्य कारणों से उत्कृष्टता प्राप्त करने में असफल हो जाते हैं, चूक जाते हैं शिक्षा में आगे बढ़ने का अवसर और अपने स्कूलों में अच्छी शिक्षण सुविधाओं के बावजूद खराब प्रदर्शन भी करते हैं। विद्यार्थियों के खराब शैक्षणिक प्रदर्शन और कम प्रेरणा के लिए जिन कारणों को दोषी ठहराया जाता है, उनमें घरेलू माहौल का उल्लेख मुश्किल से ही किया जाता है। यह अनुमान लगाया गया है कि लगभग 40: से अधिक माध्यमिक विद्यालय छोड़ने वाले अपने खराब प्रदर्शन के कारण हर साल उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रवेश नहीं पाते हैं। खराब प्रदर्शन ने चिंता बढ़ा दी है और इसके पीछे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की गई है। स्कूल में सुविधाओं की कमी, शिक्षकों की कमी, अनुशासनहीनता, प्रतिकूल घरेलू माहौल, कम बुद्धि, चिंता, विद्यार्थियों की उपलब्धि की आवश्यकता जैसे कई कारक खराब शैक्षणिक प्रदर्शन का कारण बनते हैं।

शैक्षणिक प्रदर्शन के कारक

कई शोधकर्ताओं ने संकेत दिया है कि शैक्षणिक उपलब्धि स्कूल/कॉलेज की व्यवस्था और उसके संगठन, छात्रों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, शैक्षणिक आकांक्षाएं, अच्छी तरह से समायोजित व्यवहार आदि जैसे चर पर निर्भर है। इनके अलावा व्यक्तिगत चरित्र, व्यावसायिक आकांक्षाएं, रचनात्मकता, बुद्धि, दृष्टिकोण, मूल्य आदि भी इसे प्रभावित करते हैं। बच्चे का पालन-पोषण परिवार में उसी समय होता है जब उसकी स्कूली शिक्षा शुरू होती है वह बड़े पैमाने पर समुदाय के संपर्क में आता है और कक्षा में शिक्षकों, घर पर माता-पिता, खेल में दोस्तों और कई अन्य लोगों से प्रभावित होता है लेकिन कौन सा कारक अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है कई शोधों के बावजूद शैक्षणिक उपलब्धि को प्रभावित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका अभी भी एक प्रश्न है। शैक्षणिक प्रदर्शन व्यक्तित्व के कई संज्ञानात्मक और गैर-संज्ञानात्मक पहलुओं का एक कार्य है। पर्यावरण और व्यक्तित्व का हर पहलू शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। शैक्षणिक प्रदर्शन के स्तर को निर्धारित करने वाले कारकों की पहचान करने में शिक्षकों और शिक्षकों की निरंतर चिंता इस तथ्य के परिणामस्वरूप हुई है कि कई छात्रों ने उच्च बुद्धि के बावजूद क्षमता से नीचे के स्तर पर उपलब्धि हासिल की है। परिणामस्वरूप व्यक्तित्व और प्रेरक चर के अन्य आयामों पर नया जोर दिया गया है। वास्तव में, कई शोधकर्ताओं ने अकादमिक प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए गतिशील पहलुओं, विशेष रूप से व्यक्तित्व और प्रेरक चर की सूचना दी है। कई जांचकर्ताओं ने पाया कि एक बच्चे का शैक्षणिक प्रदर्शन पर्यावरण और व्यक्तित्व कारकों

जैसे सामाजिक समायोजन, पारिवारिक पैटर्न, माता-पिता का समर्थन आदि से काफी प्रभावित होता है। बच्चों का पालन-पोषण परिवार में होता है, उसी समय जब उसकी स्कूली शिक्षा शुरू होती है तो वह बड़े पैमाने पर समुदाय के संपर्क में आता है और कक्षा में शिक्षक, घर पर माता-पिता, खेल में दोस्तों और कई अन्य लोगों से प्रभावित होता है लेकिन कौन सा कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है इस क्षेत्र में अतीत में भारी मात्रा में शोध किए जाने के बावजूद अकादमिक प्रदर्शन को प्रभावित करने में इसकी अधिक महत्वपूर्ण भूमिका अभी भी एक प्रश्न बनी हुई है। एपस्टीन (2009) ने घरेलू कारकों की जांच की है जो शैक्षणिक प्रदर्शन में योगदान करते हैं। उनका तर्क है कि बच्चों की प्रेरणा और सीखने में अंतर इस बात पर निर्भर करता है कि स्कूल और घर का वातावरण किस हद तक ओवरलेप होता है। शैक्षिक समाजीकरण का उनका मॉडल घरेलू वातावरण के छह परस्पर संबंधित पहलुओं की पहचान करता है जो अकादमिक प्रदर्शन के लिए अनुकूल हैं। शैक्षणिक प्रदर्शन शैक्षिक गतिविधियों में उपलब्धि हासिल करने की प्रदर्शित क्षमता है। इसे उच्च ग्रेड और बेहतर प्रदर्शन प्राप्त करने के साथ पहचाना गया है। शैक्षणिक प्रदर्शन शिक्षा का परिणाम है। यह दर्शाता है कि किसी छात्र, शिक्षक या संस्थान ने अपने शैक्षिक लक्ष्यों को किस हद तक हासिल किया है। इसे आमतौर पर परीक्षा या सतत मूल्यांकन द्वारा मापा जाता है। औपचारिक शिक्षा में प्राप्त ज्ञान का एक माप आमतौर पर परीक्षा स्कार, ग्रेड, ग्रेड अंक, औसत और डिग्री द्वारा दर्शाया जाता है। यहाँ, छात्र के प्रदर्शन स्तर का आकलन उन अंकों से किया जाता है जो छात्रों ने त्रैमासिक परीक्षाओं में प्राप्त किए हैं। शिक्षाशास्त्री और सामाजिक वैज्ञानिकों के अनुसार शैक्षणिक उपलब्धि के विभिन्न निर्धारक हैं:

- बुद्धिमत्ता
- व्यक्तित्व कारक
- आत्म-अवधारणा
- उपलब्धि प्रेरणा
- अध्ययन की आदत।
- सामाजिक बुद्धि.
- पैतृक कारक.

शैक्षणिक प्रदर्शन का महत्व

शैक्षिक परिणाम निर्धारित करने में शैक्षणिक उपलब्धि सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। यह किसी छात्र के हाई स्कूल, कॉलेज और उससे आगे की सफलता पर प्रभाव डाल सकता है। शैक्षणिक उपलब्धि में निवेश करके, छात्र कक्षा के अंदर और बाहर सफल होने के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकते हैं। शैक्षिक परिणाम निर्धारित करने में शैक्षणिक उपलब्धि सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। यह किसी छात्र के हाई स्कूल, कॉलेज और उससे आगे की सफलता पर प्रभाव डाल सकता है। शैक्षणिक उपलब्धि में निवेश करके, छात्र कक्षा के अंदर और बाहर सफल होने के लिए आवश्यक कौशल विकसित कर सकते हैं। यह कॉलेज और नौकरी के अवसरों के द्वार खोल सकता है, आपको एक गतिशील क्षेत्र में अपना करियर बनाने की अनुमति दे सकता है, और आपको ज्ञान और कौशल प्रदान कर सकता है जिसका उपयोग आप एक सफल जीवन जीने के लिए कर सकते हैं। यह आपको अपने साथियों से जुड़ने, समाज में योगदान करने और आत्म-मूल्य की भावना विकसित करने की भी अनुमति देता है। शैक्षणिक उपलब्धि हमेशा सफलता की गारंटी नहीं देती बल्कि आपके लक्ष्यों और सपनों को आगे बढ़ाने की नींव तय करती है। यह आपको नौकरी के लिए साक्षात्कार में अलग दिखने में मदद कर सकता है और छात्रवृत्ति या अनुदान के लिए आवेदन करते समय आपको गर्व करने लायक कुछ दे सकता है। यह लेख चर्चा करता है कि शैक्षणिक उपलब्धि क्यों महत्वपूर्ण है और यह आपके भविष्य को आकार देने में कैसे मदद कर सकती है। हम यह भी पता लगाएंगे कि अपने लक्ष्यों को कैसे प्राप्त करें और अच्छा शैक्षणिक प्रदर्शन कैसे बनाए रखें। शैक्षणिक सफलता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन सकारात्मक परिणामों से दृढ़ता से जुड़ी हुई है जिन्हें हम महत्व देते हैं। जो वयस्क शैक्षणिक रूप से सफल हैं और उच्च स्तर की शिक्षा के साथ हैं, उनके रोजगार पाने की अधिक संभावना है, उनके पास स्थिर रोजगार है, उनके पास कम शिक्षा वाले लोगों की तुलना में अधिक रोजगार के अवसर हैं और वे अधिक कमाते हैं। वेतन, स्वास्थ्य बीमा होने की अधिक संभावना है, सामाजिक सहायता पर कम निर्भर हैं, कम हैं आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने की संभावना है, नागरिक और धर्मार्थ स्वयंसेवकों के रूप में अधिक सक्रिय हैं और अधिक स्वस्थ और खुश हैं। शैक्षणिक सफलता महत्वपूर्ण है क्योंकि कामकाजी लोगों को भविष्य की तकनीकी रूप से मांग वाले व्यवसायों से निपटने के लिए उच्च स्तर की शिक्षा की आवश्यकता होगी। आजकल नौकरी पाने के लिए आपको माध्यमिक शिक्षा के बाद की शिक्षा की आवश्यकता होती है। अध्ययन में शैक्षणिक सफलता और घरेलू माहौल के बीच एक मजबूत संबंध पाया गया। इस शोध के परिणामों का शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ावा देने की संभावित रणनीतियों

पर पर्याप्त प्रभाव पड़ता है। अध्ययन ने यह भी प्रदर्शित किया है कि घर पर पुरस्कृत और पोषित वातावरण छात्रों की शैक्षणिक सफलता को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण कारक हो सकता है, जबकि घर पर सजा, सामाजिक अलगाव, अभाव और अस्वीकृति छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि पर हानिकारक प्रभाव डाल सकती है (घोष, 2020)।

निष्कर्ष

बच्चों के जीवन में शैक्षणिक सफलता को अक्सर भविष्य की रोजगार क्षमता के पूर्वानुमान के रूप में देखा जाता है, नियोजन तेजी से उन लोगों का पक्ष लेते हैं जिन्होंने अपनी पढ़ाई में सफलता प्रदर्शित की है। रोजगार से परे, शैक्षणिक सफलता उच्च शिक्षा और नेतृत्व भूमिकाओं के द्वार खोल सकती है जो व्यक्तियों के लिए सुरक्षा और अवसर प्रदान करती है। समाज में युवाओं के सफल विकास के लिए शैक्षणिक उपलब्धि महत्वपूर्ण है। जो छात्र स्कूल में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, वे वयस्कता में परिवर्तन करने और व्यावसायिक और आर्थिक सफलता हासिल करने में बेहतर सक्षम होते हैं। घरेलू वातावरण सीखने की नींव प्रदान करता है और छात्र जीवन का एक तत्व है जो ग्रेड को प्रभावित कर सकता है। जैसा कि मिनेसोटा विश्वविद्यालय विस्तार द्वारा रिपोर्ट किया गया है, स्कूल के बाहर सीखने के अवसर प्रदान करने से स्कूल के माहौल में छात्रों की सफलता में मदद मिलती है। घरेलू वातावरण का छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। उच्च स्तर की शिक्षा वाले माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा के लिए सहायता और संसाधन प्रदान करते हैं, जिससे उच्च शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त होती है। घर पर सीखने का माहौल और माता-पिता और शिक्षकों के बीच संबंध भी छात्रों की शैक्षणिक सफलता और सकारात्मक सामाजिक व्यवहार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। घरेलू वातावरण बेहतर शैक्षणिक उपलब्धि विकसित करने में मदद करता है। सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण घरेलू माहौल के बिना विद्यार्थी सफल नहीं हो सकता। माता-पिता की योजना बनाने, व्यवस्थित करने और समय का प्रबंधन करने की क्षमता आपके बच्चों को जीवन के हर क्षेत्र में लाभ पहुंचाएगी। सफल शैक्षणिक जीवन के लिए एक अच्छा घरेलू माहौल बनाएं। परीक्षा की तैयारी और स्कूल के माहौल के संबंध में छात्रों की शैक्षणिक सफलता पर परिवार की प्रकृति का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

अनुशंसा

माता-पिता का मुख्य कर्तव्य है बच्चों को घर का माहौल अनुकूलता प्रदान करना। यह समय की मांग है माता-पिता को इसमें माता-पिता की भागीदारी जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करें। उनके बच्चों के शैक्षणिक मामलों की निगरानी करना और प्रदान करना उनकी संभावनाओं पर उचित ध्यान और रुचि

बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार के लिए। कई माता-पिता अपने बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि पर विभिन्न घरेलू पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव से अवगत नहीं हो सकते हैं। यह अनुशंसा की जाती है कि शिक्षकों, शिक्षाविदों और नेताओं को माता-पिता में घर के वातावरण के महत्व के बारे में अध्ययन की आदतों के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करना चाहिए जो बच्चों के प्रदर्शन में सुधार कर सकती हैं। माता-पिता को यह सूचित करने की आवश्यकता है कि वे प्रोत्साहन, सीखने की सुविधाओं के प्रावधान और अन्य रणनीतियों के बीच सक्रिय सहायता के माध्यम से अपने बच्चों की शिक्षा में योगदान दे सकते हैं। माता-पिता को यह सूचित करने की आवश्यकता है कि वे प्रोत्साहन, सीखने की सुविधाओं के प्रावधान और अन्य रणनीतियों के बीच सक्रिय सहायता के माध्यम से अपने बच्चों की शिक्षा में योगदान कर सकते हैं।

REFERENCES

1. स्टाल जे.सी. पारिवारिक सामाजिक आर्थिक स्थिति, माता-पिता की अपेक्षाएँ और बच्चे की उपलब्धि। शिक्षा में अनुसंधान, एन 2013;90:रू53-67।
2. नागपाल, एस. (2020)। घरेलू पर्यावरण के प्रभाव का अध्ययन करना वरिष्ठ माध्यमिक कक्षा के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च। आईएसएसएनरू 2319-7064। खंड 9 अंक 6।
3. घोष, एस (2020) स्कूली छात्रों के बीच शैक्षिक उपलब्धि के संबंध में घरेलू वातावरण। एप्लाइड रिसर्च के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 6(10): 29-31।
4. यूनुस, एम (2021) उच्च स्तर पर छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों पर घरेलू वातावरण का प्रभाव। प्रारंभिक शिक्षा ऑनलाइन। खंड 20 (अंक 5) रू पीपी 358-369